ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 29 नवम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 212

साइक्लोन दितवाह- तमिलनाडु में बारिश, 54 फ्लाइट्स कैंसिल:

पुडुचेरी यूनिवर्सिटी ने परीक्षाएं रोकीं; श्रीलंका में 123 लोगों की मौत, 200 भारतीय फंसे

24 न्यूज अपडेट

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद साइक्लोन दितवाह भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं शुरू हो चुकी है। शनिवार रात तक इसके और तेज होने की संभावना है।

तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण 54 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। पुडुचेरी सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने साइक्लोन के कारण शनिवार को छुट्टी घोषित करते हुए सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम में सभी स्कूल और कॉलेज सोमवार तक बंद रहेंगे। करीब 28 डिजास्टर रिस्पॉन्स टीमें तैनात की गई हैं।

श्रीलंका में दितवाह के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड से 123 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। 130 से ज्यादा लापता हैं। चेन्नई की फ्लाइट्स कैंसिल होने के कारण कोलंबो एयरपोर्ट पर लगभग 300 भारतीय यात्री पिछले तीन दिनों से फंसे हुए हैं। ये सभी दुबई से श्रीलंका के रास्ते भारत आने वाले थे।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMS) ने बताया कि साइक्लोन दितवाह 30 नवंबर को तमिलनाडु-पुडुचेरी के तट से टकराएगा। इसके कारण राज्यभर में भारी बारिश होगी। तमिलनाडु,आंध्र और पुडुचेरी में बाढ़ आ सकती है।पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा है। इन इलाकों में अचानक सैलाब आ सकता है।

साइक्लोन दितवाह को लेकर तमिलनाडु के विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर, नागपट्टिनम, तिरुवरुर, तंजावुर, पुदुक्कोट्टई और मयिलादुथुरई सहित संवेदनशील तटीय जिलों में नेशनल डिजास्टर रिस्पोंस फोर्स (NDRF) की 14 टीमें भी तैनात की गई हैं। महाराष्ट्र के पुणे और गुजरात के वडोदरा स्थित NDRF बेस से 10 टीमें चेन्नई के लिए निकल गई हैं।

भारत में इंडिगो, एअर इंडिया ग्रुप की 338 फ्लाइट्स प्रभावित:सॉफ्टवेयर अपडेट हो रहा; दुनियाभर में एयरबस के A320 विमानों में सोलर रेडिएशन का खतरा

24 न्यूज अपडेट

दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाले एयरबस के A320 सीरीज के एयरक्राफ्ट्स पर तेज सोलर रेडिएशन का खतरा मंडरा रहा है। यह फ्लाइट कंट्रोल डेटा को खराब कर सकता है, जिससे एयरक्राफ्ट्स की ऊंचाई, डायरेक्शन, कंट्रोल जैसी बेहद अहम जानकारी गलत हो सकती है।

इस तकनीकी खराबी से बचने के लिए फ्रांस की विमानन कंपनी एयरबस ने सभी एयरलाइन कंपनियों से उनके बेड़े में शामिल A320 सीरीज के विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। इसके कारण दुनिया भर में 6,000 विमानों के ऑपरेशन पर असर पड़ सकता है।

न्यूज एजेंसी PTI ने बताया कि सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण भारत में अब तक कोई उड़ान रद्द नहीं हुई है, लेकिन कुछ उड़ानों में 60-90 मिनट की देरी हो रही है। भारत में इंडिगो, एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस A320 सीरीज के विमानों का संचालन करती हैं।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) के अनुसार, शनिवार सुबह 10 बजे तक कुल 338 विमानों में से 189 A320 सीरीज के विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन पूरा हो चुका है। सभी प्रभावित विमानों में सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन 30 नवंबर को सुबह 5:29 बजे तक पूरा होने की उम्मीद है।

अमेरिकी फ्लाइट में गड़बड़ी के बाद अपडेट का फैसला

यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (EASA) ने एक बयान में बताया कि हाल ही में अमेरिकी एयरलाइन जेटब्लू के एक A320 विमान में पायलट के कमांड के बिना पिच डाउन की घटना हुई। 30 अक्टूबर, 2025 को कैनकन से नेवार्क के लिए उड़ान भरने के दौरान विमान अचानक नीचे की ओर झुकने लगा।

EASA के अनुसार, विमान सुरक्षित तरीके से लैंड हो गया था। कुछ यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, एयरबस की प्रारंभिक जांच में एक सर्विसेबल एलिवेटर एलरॉन कम्प्यूटर (ELAC) में खराबी को इस घटना का संभावित कारण बताया गया।\

इसके कारण एयरबस ने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों से अपने एयरक्राफ्ट्स में ELAC लगाने को कहा है। आमतौर पर ELAC फ्लाइट कंट्रोल के लिए होता है।

पुराने विमानों के ऑपरेशन में ज्यादा देरी की आशंका

फ्रांस की विमानन कंपनी एयरबस की A320 सीरीज दुनिया की सबसे जयादा इस्तेमाल की जाने वाली सिंगल-आइल प्लेन है। A320 सीरीज के विमानों में A319, A320CEO (करेंट इंजन ऑप्शन) और NEO (न्यू इंजन ऑप्शन), A321CEO और A321NEO शामिल हैं।

नए A320 सीरीज के विमानों में सॉफ्टवेयर अपडेट में लगभग आधे घंटे का समय लगता है। पुराने A320 विमानों में, कुछ हार्डवेयर अपग्रेड की भी जरूरी होगी। उनके अपग्रेडेशन में ज्यादा समय लगेगा। इसके कारण पुराने विमानों के ऑपरेशन में ज्यादा देरी की आशंका है।

भागवत बोले- भारत के स्वभाव में झगड़ा नहीं भाईचारा है:भारत की राष्ट्रवाद की अवधारणा पश्चिमी सोच से बिल्कुल अलग, वे नेशनहुड नहीं समझते

24 न्यूज अपडेट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा, 'झगड़ों में पड़ना भारत के स्वभाव में नहीं है, देश की परंपरा ने हमेशा भाईचारे और सामूहिक सद्भाव पर जोर दिया है।' उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का कॉन्सेप्ट पश्चिमी व्याख्याओं से पूरी तरह अलग है। हमारी किसी से कोई बहस नहीं होती। हम झगड़ों से दूर रहते हैं। दुनिया के दूसरे हिस्से संघर्ष से भरे हालात में बने हैं। नागपुर में नेशनल बुक फेस्टिवल में भागवत ने कहा- एक बार जब कोई राय बन जाती है, तो उसके अलावा कुछ भी मंजूर नहीं होता। ऐसी राय दूसरी बातों के लिए दरवाजा बंद कर देती हैं। उन बातों को बहस कहा जाता है।

भागवत ने कहा कि पश्चिम देश नेशनहुड के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे नेशनलिज्म कहना शुरू कर दिया। राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट वेस्टर्न देशों के नेशन के आइडिया से अलग है। हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह नेशन है या नहीं, यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से है।

RSS प्रमुख ने कहा कि पश्चिम देश नेशनहुड के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे नेशनलिज्म कहना शुरू कर दिया। राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट वेस्टर्न देशों के नेशन के आइडिया से अलग है। हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह नेशन है या नहीं, यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से है।

उन्होंने कहा कि अगर हम वेस्टर्न कॉन्टेक्स्ट में नेशन की डेफिनिशन पर विचार करें, तो इसमें आमतौर पर एक नेशन-स्टेट होता है, जिसमें एक सेंट्रल गवर्नमेंट होती है जो इलाके को मैनेज करती है। हालांकि, भारत हमेशा से एक राष्ट्र रहा है, यहां तक कि अलग-अलग सरकारों और विदेशी शासन के समय में भी।

उन्होंने कहा कि भारत का नेशनहुड घमंड या गर्व से नहीं बल्कि लोगों के बीच गहरे जुड़ाव और नेचर के साथ उनके को-एग्जिस्टेंस से पैदा हुआ है। सच्ची संतुष्टि दूसरों की मदद करने से मिलती है, यह एहसास जिंदगी भर रहता है, न कि कुछ समय की सफलता से।

कल तक निपटा लें ये 4 जरूरी काम:पेंशन नहीं मिलेगी, बैंक अकाउंट बंद हो जाएगा, टैक्स नोटिस भी आ सकता है

24 न्यूज अपडेट

नवंबर का महीना कल हो जाएगा और इसके साथ ही 4 जरूरी काम की डेडलाइन भी खत्म हो जाएगी। इन काम में पेंशन पाने के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना, पंजाब नेशनल बैंक में KYC, टैक्स से जुड़े फॉर्म और केंद्रीय कर्मचारियों के लिए UPS ऑप्शन शामिल हैं।

अगर अब तक आपने अब तक ये काम नहीं किए हैं, तो पेंशन रुक सकती है, फाइनेंशियल प्रोसेस अटक सकते हैं, टैक्स से जुड़ी दिक्कतें बढ़ सकती हैं और पेनाल्टी भी लग सकती है। आइए समझते हैं इन जरूरी कामों को कैसे पूरा कर सकते हैं।

1. पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट

60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए है। केंद्र और राज्य सरकार के पेंशनभोगियों को अपनी पेंशन जारी रखने के लिए हर साल 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक अपना जीवन प्रमाण पत्र (LIFE CERTIFICATE) जमा करना होता है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) की डोरस्टेप लाइफ सर्टिफिकेट सर्विस इस प्रक्रिया को और आसान बना दिया है। इसमें पेंशनर्स घर बैठे ही डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनवा सकते हैं।

नुकसानः सर्टिफिकेट जमा नहीं हुआ, तो दिसंबर महीने की पेंशन रुक सकती है।

प्रोसेसः आप बैंक जाकर (आज 5 बजे तक), CSC सेंटर, पोस्ट ऑफिस के जरिए या घर बैठे फेस ऑथेटिकेशन से इसे ऑनलाइन रूप में जमा कर सकते हैं।

2. टैक्स से जुड़े जरूरी फॉर्म की डेडलाइन

टैक्सपेयर्स को 30 नवंबर तक अक्टूबर 2025 के लिए (सेक्शन 194-IA, 194-IB, 194M और 194S के तहत) TDS का चालान-कम-स्टेटमेंट जमा करना जरुरी है। इसके अलावा, जिन टैक्सपेयरों की अंतरराष्ट्रीय या स्पेशल घरेलू फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन सेक्शन 92E के तहत आती है, उन्हें ITR भरना होगा। वहीं, विदेशी कंपनियों की भारतीय यूनिट्स को फॉर्म 3CEAA भी 30 नवंबर तक जमा करना होगा।

नुकसानः निर्धारित तारीख के भीतर ITR दाखिल नहीं करने पर आपको जुर्माना यानी पेनल्टी भरनी पड़ सकती है।

3. पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक

पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहकों को 30 नवंबर 2025 तक EKYC करानी है। अगर ग्राहक ऐसा नहीं करते हैं तो उनका अकाउंट ऑपरेटिव नहीं रहेगा। ग्राहक अपने अकाउंट से पैसा निकाल नहीं पाएंगे। साथ ही पैसा ट्रांसफर नहीं कर पाएंगे। अगर आपका खाता पंजाब नेशनल बैंक (PNB) में है और आपका KYC अपडेट बाकी है, तो 30 नवंबर तक जरूर निपटा लें।

नुकसानः PNB ने साफ कहा है कि अगर 30 नवंबर तक E-KYC नहीं कराया गया, तो खाते को फ्रीज कर दिया जाएगा। इसके बाद आप लेन-देन नहीं कर पाएंगे।

प्रोसेसः ग्राहक 'PNB ONE APP' या नेट बैंकिंग के जरिए घर बैठे यह काम कर सकते हैं। **4. यूनिफाइड पेंशन स्कीम में शामिल होने का आखिरी मौका**

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) में शामिल होने की आखिरी तारीख 30 नवंबर 2025 है। पहले ये डेडलाइन 30 सितंबर थी, जिसे दो महीने बढ़ाकर 30 नवंबर किया गया था। UPS, नई पेंशन व्यवस्था (NPS) से अलग है और इसमें कर्मचारियों और सरकार दोनों का योगदान तय होता है।

UPS के तहत कर्मचारी अपनी बेसिक सैलरी और डीए का 10% योगदान करते हैं, जबकि सरकार 18.5% देती है। यह व्यवस्था पुरानी पेंशन स्कीम (OPS) से अलग है, जिसमें कर्मचारियों को बिना योगदान दिए अंतिम बेसिक पे का 50% पेंशन मिलती थी।

नुकसानः UPS में शामिल होने पर आप डिफॉल्ट रूप से NPS में ही बने रहेंगे। इसमें पेंशन गारंटीड नहीं रहेगी और महंगाई भत्ता (DR) नहीं मिलेगा।

प्रोसेसः डिफेंस से जुड़े कर्मचारी SPARSH पोर्टल पर लॉग-इन करके अप्लाई कर सकते हैं। वहीं, सेंट्रल के सामान्य कर्मचारी HTTPS://NPSCRA.NSDL.COM पर अप्लाई कर सकते हैं।

1 दिसंबर से महंगे हो सकते हैं एयरलाइन टिकट और घरेलू गैस सिलेंडर, कई नियम बदलेंगे

24 न्यूज अपडेट

साल के आखिरी महीने की शुरुआत में ही आपकी जेब और बजट पर कई अहम बदलाव देखने को मिल सकते हैं. दिसंबर के पहले दिन से कई बड़े नियम और रेट बदलने वाले हैं, और कुछ काम 30 नवंबर तक निपटाना बेहद जरूरी है. चाहे आप सरकारी कर्मचारी हों, टैक्सपेयर हों, पेंशनर हों या LPG और हवाई यात्रा के नियमित खर्च से जुड़े हों, इन बदलावों से प्रभावित हो सकते हैं.

UPS में शिफ्ट होने की अंतिम तारीख

सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारी जो नेशनल पेंशन स्कीम (NPS) से यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) में जाना चाहते हैं, उनके लिए समय कम है. 30 नवंबर तक CRA पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना या संबंधित नोडल ऑफिसर को फॉर्म जमा करना अनिवार्य है. इस तारीख के बाद UPS में शिफ्ट होने का विकल्प बंद हो जाएगा.

टैक्स फाइलिंग की जरूरी डेडलाइन

टैक्सपेयर के लिए भी 30 नवंबर महत्वपूर्ण है. अक्टूबर महीने में कटे टैक्स की TDS स्टेटमेंट (धारा 194-IA, 194-IB, 194M और 194S) जमा करना अनिवार्य है. जिन पर ट्रांसफर प्राइसिंग रिपोर्ट (धारा 92E) की जिम्मेदारी है, उन्हें भी इसी तारीख तक रिटर्न फाइल करना होगा. इसके अलावा भारत में काम कर रही विदेशी कंपनियों की सहायक इकाइयों को फॉर्म 3CEAA जमा करना जरूरी है. निर्धारित समय पर फाइलिंग न करने पर जुर्माना और नोटिस का सामना करना पड़ सकता है.

हवाई यात्रा और ईंधन के रेट में बदलाव

1 दिसंबर से एविएशन टरबाइन फ्यूल (ATF) के रेट बदल जाएंगे. अगर कीमत बढ़ती है तो हवाई जहाज के टिकट महंगे होने की संभावना बढ़ जाएगी.

पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट

पेंशन लेने वाले पेंशनर्स को भी 30 नवंबर तक लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना जरूरी है. यदि यह समय पर नहीं किया गया तो पेंशन रोक दी जाएगी. बैंक, पोस्ट ऑफिस या डिजिटल तरीके जैसे JEEVAN PRAMAAN ऐप के माध्यम से यह काम किया जा सकता है.

LPG के दाम में बदलाव

हर महीने की शुरुआत में LPG के रेट अपडेट होते हैं. पिछले महीने कमर्शियल सिलेंडर सस्ते हुए थे, लेकिन घरेलू सिलेंडर के नए दाम 1 दिसंबर को तय होंगे. इससे घर का मासिक बजट प्रभावित हो सकता है. दिसंबर की शुरुआत कई बड़े आर्थिक बदलाव लेकर आ रही है. इसलिए यह जरूरी है कि 30 नवंबर तक जरूरी फाइलिंग और कागजी काम निपटाया जाए और 1 दिसंबर के रेट अपडेट्स पर नजर रखी जाए.

दिसंबर में 18 दिन बंद रहेंगे बैंक, ग्राहकों को करनी होगी प्लानिंग

24 न्यूज अपडेट

दिसंबर का महीना शुरू होने वाला है और इस दौरान बैंक ग्राहकों को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ सकती है. इस महीने बैंक पूरे 18 दिन बंद रहेंगे. ऐसे में अगर आप बैंक से जुड़े किसी काम को निपटाना चाहते हैं, तो पहले से योजना बनाना बेहद जरूरी है. बैंक हॉलिडे कई बार स्थानीय और रीजनल त्योहारों पर आधारित होते हैं, इसलिए हर राज्य में छुट्टियों की तारीखें अलग हो सकती हैं. ऐसे में यह जानना आवश्यक है कि आपके इलाके की शाखा किस दिन बंद रहेगी.

दिसंबर 2025 में प्रमुख बैंक हॉलिडेज (RBI के अनुसार)

1 दिसंबर (सोमवार) – ईटानगर और कोहिमा में उद्घाटन दिवस/स्वदेशी आस्था दिवस 3 दिसंबर (बुधवार) – गोवा में सेंट फ्रांसिस जेवियर डे, 7 दिसंबर (रविवार) – नियमित रविवार की छुट्टी

12 दिसंबर (शुक्रवार) – शिलांग में पा तोगन नेंगमिनजा संगमा पुण्यतिथि, 13 दिसंबर (शनिवार) – पूरे देश में दूसरे शनिवार की छुट्टी, 14 दिसंबर (रविवार) – पूरे देश में रविवार, 18 दिसंबर (गुरुवार) – शिलांग में यू सोसो थाम पुण्यतिथि, 19 दिसंबर (शुक्रवार) – गोवा मुक्ति दिवस, 20-22 दिसंबर (शनिवार और सोमवार) – सिक्किम में लोसूंग/नमसूंग का त्योहार, 21 दिसंबर (रविवार) – नियमित रविवार, 24 दिसंबर (बुधवार) – आइजोल, कोहिमा और शिलांग में क्रिसमस ईव, 25 दिसंबर (गुरुवार) – क्रिसमस, पूरे देश में बैंक बंद, 26 दिसंबर (शुक्रवार) – आइजोल, कोहिमा और शिलांग में क्रिसमस, 27 दिसंबर (शनिवार) – कोहिमा में क्रिसमस, साथ ही चौथा शनिवार, 28 दिसंबर (रविवार) – पूरे देश में रविवार, 30 दिसंबर (मंगलवार) – शिलांग में यू कियांग नांगबाह पुण्यतिथि, 31 दिसंबर (बुधवार) – आइजोल और इंफाल में न्यू ईयर ईव/इमोइनु इराटपा

संपादकीय : नियमन और सावधानी

पिछले कुछ समय से इंटरनेट की असीमित दुनिया में पसरी वैसी सामग्री को लेकर एक व्यापक चिंता पैदा हुई है, जो बच्चों और किशोरों के व्यक्तित्व पर नकारात्मक असर डालती है, उनके सोचने-समझने की दिशा को बुरी तरह प्रभावित करती है। इसके मद्देनजर दुनिया के कई देशों ने अपने स्तर पर ऐसे नियम-कायदे भी बनाए हैं, जिनके जरिए सोशल मीडिया और इस तरह के अन्य इंटरनेट मंचों तक बच्चों और किशोरों की पहुंच को सीमित किया गया। भारत में भी इस मसले पर चिंता के स्वर उभरे हैं कि व्यापक उपयोगिता के समांतर इंटरनेट की निर्बाध दुनिया में मौजूद आपत्तिजनक सामग्री को लेकर एक ठोस नियमन हो, बकि नाबालिगों को उसके नकारात्मक असर से बचाया जा सके। इसके अलावा, अगर कोई व्यक्ति अपने सोशल मीडिया खाते या वीडियो चैनल पर किसी तरह की आपत्तिजनक सामग्री तैयार करके जारी करता है, तो उसे रोकने को लेकर नियम- कायदे की भी कमी है। यही वजह है कि किशोरों या नाबालिगों सहित इंटरनेट की सुविधा रखने वाला हर व्यक्ति अलग-अलग मंचों पर उपलब्ध अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री तक भी आसान पहुंच रखता है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि इस संबंध में एक स्वायत्त नियामक संस्था के गठन की जरूरत है, जो इस पर लगाम लगा सके। एक मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सुझाव के तौर पर यह भी कहा कि इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील या वयस्क प्रकृति की सामग्री को बच्चों से दूर रखने के लिए आधार नंबर से उम्र की पुष्टि करने पर विचार किया जाना चाहिए इसमें कोई दोराय नहीं कि नई तकनीक और प्रौद्योगिकी के तेजी से विस्तार के दौर में आसपास की दुनिया और व्यवस्थागत ढांचे में भी व्यापक बदलाव आ रहे हैं। रोजगार से लेकर पढ़ाई-लिखाई और मनोरंजन जैसी जरूरतों के लिए इंटरनेट पर निर्भरता का दायरा बहुत ज्यादा बढ़ा है। मुश्किल यह है कि जिस साइबर संसार ने जीवन को आसान बनाया है और अध्ययन तथा शोध से संबंधित मामलों में अपनी उपयोगिता साबित की है, उसी में ऐसी सामग्री का असीमित भंडार भी है, जिसे समाज के लिए नुकसानदेह माना जाता है। ओटीटी मंचों, यूट्यूब या फिर सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो भरे पड़े हैं, जिन्हें आपत्तिजनक और अश्लील सामग्री की श्रेणी में रखा जा सकता है और जो बच्चों के लिए नुकसानदेह हैं । आस्ट्रेलिया और डेनमार्क जैसे देशों ने सोशल मीडिया तक अपने यहां के नाबालिगों की पहुंच को सीमित करने के लिए नियम-कायदे बनाए हैं, तो इसके पीछे यही चिंता है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की यह राय गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर उम्र की जांच के लिए आधार नंबर का उपयोग किया जा सकता है। मगर एक पहलू यह भी है कि आधार नंबर की संवेदनशीलता और उसके जोखिम के मद्देनजर उसे सभी जगहों पर न देने की सलाह दी जाती है। ऐसे में अगर साइबर संसार का कोई मंच उम्र की पुष्टि के लिए किसी व्यक्ति का आधार और उससे जुड़े ब्योरे लेता है, तो यह कैसे सुनिश्चित होगा कि उसका किसी भी तरह से दुरुपयोग न हो। जाहिर है, इंटरनेट की व्यापक दुनिया के कुछ नुकसानों को देखते हुए नियमन के लिए एक ढांचा खड़ा करने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत होगी कि इसके नाम पर लोकतंत्र तथा अभिव्यक्ति के अधिकार को चोट न पहुंचे और वह लोगों की स्वस्थ, आलोचनात्मक और जनतांत्रिक चेतना को बाधित न करे।

अभाव के स्कूल

शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ स्कूलों में विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और खेल मैदान जैसी बुनियादी सुविधाओं का होना बेहद जरूरी है। वे सुविधाएं एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण बनाती हैं, जो विद्यार्थियों को अच्छे से पढ़ाई करने में सहायक होता है। स्कूलों में इस व्यवस्था का अभाव न केवल पठन-पाठन को प्रभावित करता है, बल्कि छात्रों खासकर लड़कियों के पढ़ाई बीच में छोड़ने का कारण भी बनता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में सरकारी स्तर पर स्कूलों में ढांचागत सुविधाएं मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, लेकिन वस्तुस्थिति आज भी संतोषजक नहीं है। हाल में असम से आई एक खबर ने चिंता पैदा कर दी है कि राज्य के चार क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में एक हजार चार सौ सरकारी स्कूलों में पेयजल एवं शौचालय की सुविधा नहीं हैं। साथ ही अट्ठाईस हजार शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं। प्रदेश सरकार ने विधानसभा में यह जानकारी दी है असम के मुख्यमंत्री अपने भाषणों में राज्य को अगले पांच वर्षों में एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और समग्र विकास करने के दावे करते हैं। मगर हकीकत यह है कि वहां के बहुत सारे स्कूलों का बुनियादी ढांचा अभाव और बदहाली का शिकार है। देश भर में स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए सरकार ने मध्याह्न भोजन योजना लागू की है। मगर बच्चों को व्यापक स्तर पर शिक्षा से जोड़ने के लिए क्या नामांकन बढ़ाना ही काफी है? क्या इसके लिए स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का होना जरूरी नहीं है? ये ऐसे सवाल हैं, जिन पर शासन और प्रशासन के स्तर पर विचार तो किया गया, योजनाएं- परियोजनाएं भी बनीं, लेकिन धरातल पर उनका नतीजा लक्ष्य से काफी पीछे नजर आ रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष नवंबर में एक मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में शपथपत्र दायर कर बताया था कि देश में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों सहित 97.5 फीसद से अधिक स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है। मगर सिर्फ ढांचा खड़ा कर देना ही सुविधा नहीं है। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है। कि उसका बेहतर रखरखाव हो, ताकि विद्यार्थी उस सुविधा को सुलभ और निबंध रूप से इस्तेमाल कर सकें।

मेल नर्स के घर में चल रहा था अवैध क्लिनिक, भर्ती थे मरीज, 2 लाख की दवाइयां भी मिली

24 न्यूज अपडेट

गोगुंदा/उदयपुर। गोगुंदा क्षेत्र में एक सरकारी कर्मचारी द्वारा घर में संचालित किए जा रहे अवैध क्लिनिक पर शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) ने कार्रवाई की। यह कार्रवाई सायरा क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान की गई, जब सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य की टीम को रास्ते में घर में चल रहे क्लिनिक की जानकारी मिली। डॉ. आदित्य ने बताया कि कुछ समय से शिकायत मिल रही थी कि सायरा में पदस्थापित मेल नर्स जसराज सोलंकी अपने घर में अवैध क्लिनिक चला रहा है। मौके पर जांच में क्लिनिक में बेड लगे हुए मिले और कई मरीज भी मौजूद थे। टीम ने परिसर से भारी मात्रा में सरकारी दवाइयां बरामद कीं, जिनकी कीमत करीब एक लाख रुपए आंकी गई। इसके अलावा निजी रूप से खरीदी गई दवाइयां भी मिलीं, जिनका मूल्य लगभग दो लाख रुपए बताया गया है। सभी दवाइयों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। सीएमएचओ की इस कार्रवाई में डिप्टी सीएमएचओ डॉ. विक्रम सिंह, डीपीसी डॉ. मोहन सिंह धाकड़ और कालू जी व्यास भी मौजूद रहे। जांच के बाद प्रशासन ने क्लिनिक को तुरंत प्रभाव से सील कर दिया। जसराज सोलंकी पिछले 25 वर्षों से सायरा में मेल नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत है और उसी दौरान वह घर में निजी क्लिनिक भी संचालित कर रहा था। सीएमएचओ ने इस मामले में बीसीएमओ गोगुंदा को नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन अब यह भी जांच कर रहा है कि सरकारी दवाइयां किस माध्यम से क्लिनिक तक पहुंचाई जा रही थीं तथा कितने समय से यह अवैध गतिविधि चल रही थी।

30 करोड़ की फिल्मी ठगी: विक्रम भट्ट सहित 8 आरोपियों को नोटिस, 8 दिसंबर तक पेश नहीं हुए तो गिरफ्तारी

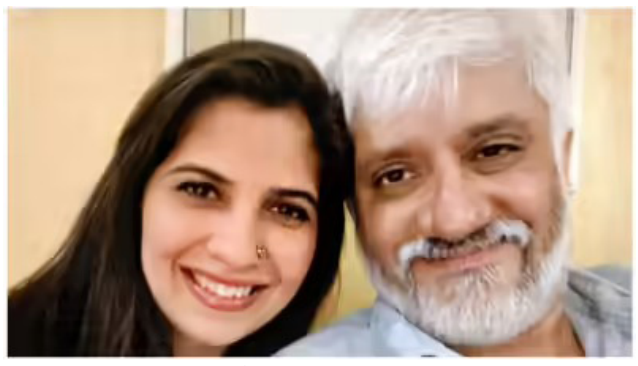

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बॉलीवुड के प्रसिद्ध डायरेक्टर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट पर उदयपुर के नामी चिकित्सक से 30 करोड़ की ठगी के मामले में पुलिस का शिकंजा और कस गया है। फिल्म निर्माण के नाम पर करोड़ों की धनराशि हड़पने के आरोप में फरार चल रहे भट्ट दंपती सहित 6 आरोपियों को उदयपुर पुलिस ने मुंबई स्थित आवासों पर नोटिस भेजकर 8 दिसंबर तक उपस्थित होने के आदेश दिए हैं। समय पर पेशी नहीं होने पर गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

जांच अधिकारी डिप्टी छगन पुरोहित के अनुसार, मैथड एक्टिंग और बड़े बजट की फिल्मों का हवाला देकर उदयपुर के इंदिरा IVF संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया से भारी-भरकम रकम वसूली गई थी। आरोपियों ने डॉक्टर को चार फिल्मों के निर्माण में निवेश कर 200 करोड़ की कमाई का लालच दिया था। परंतु, रकम ऑनलाइन हस्तांतरित होने के बावजूद फिल्मों की शूटिंग तक शुरू नहीं हुई।

44 करोड़ लिए, 30 करोड़ का फर्जीवाड़ा दर्ज-शूटिंग एक फ्रेम भी नहीं

FIR में दर्ज है कि डॉक्टर से चार फिल्मों के नाम पर कुल 44.29 करोड़ रुपए उठाए गए, जिसमें से सिर्फ 'महाराणा (परिवर्तित नाम रण)' फिल्म के निर्माण के लिए ही 25 करोड़ का करार था। लेकिन इसकी शूटिंग तक शुरू नहीं हुई। मामले के खुलासे के बाद डॉक्टर ने लगभग 30 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। उधर, गिरफ्तारी की आशंका से घिरे विक्रम भट्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट में ट्रांजिट बेल के लिए अर्जी लगाई है।

दो आरोपी रिमांड पर, डील करवाने वाला उदयपुर निवासी फरार

पुलिस ने 17 नवंबर को मुंबई से विक्रम भट्ट के को-प्रोड्यूसर महबूब अंसारी और वेंडर संदीप विश्वनाथ त्रिभुवन को गिरफ्तार कर लिया था। ये दोनों 1 दिसंबर तक रिमांड पर हैं। इस बड़े फर्जीवाड़े में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला उदयपुर निवासी दिनेश कटारिया अब भी फरार है। वही डॉक्टर और भट्ट के बीच डील कराने वाला मुख्य संपर्क सूत्र था। पुलिस को सूचना है कि कटारिया मुंबई में छिपा है।

बेटी कृष्णा भट्ट समेत कई नामचीन चेहरे आरोपी सूची में

मामले में विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेतांबरी के साथ-साथ-कृष्णा भट्ट (विक्रम की बेटी) मुदित बुटट्टान (दिल्ली) गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव, चेयरमैन—फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्पलाइज अशोक दुबे, जनरल सेक्रेटरी—FWICE भी जांच के दायरे में हैं। पुलिस इन सभी की गतिविधियों पर नजर रख रही है और भूमिकाओं की पुष्टि के बाद आगे की कार्रवाई होगी। फर्जी वेंडरों के खाते में जाता था पैसा पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार को-प्रोड्यूसर महबूब अंसारी ने खुलासा किया कि करोड़ों की राशि फर्जी वेंडरों के खातों में भेजी जाती थी, जिनका नियंत्रण और संचालन भट्ट के करीबी लोग संभालते थे। इन खातों से राशि बाद में अन्य निजी खातों, जिनमें श्वेतांबरी भट्ट का नाम भी शामिल है, में स्थानांतरित की जाती रही।

डबोक हाईवे पर दिल दहला देने वाला हादसा: पिता-बेटी की मौत, मां गंभीर घायल, ओवरटेक में बेकाबू ट्रेलर ने तीन जिंदगियां उजाड़ीं

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। चित्तौड़गढ़–उदयपुर सिक्सलेन हाईवे पर एयरपोर्ट के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। करीब 10:20 बजे तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक बाइक को ओवरटेक करते समय जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार पिता और 11 वर्षीय बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठी मां गंभीर रूप से घायल होकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरी। हादसे के समय तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर उदयपुर से भटेवर की ओर जा रहे थे। बाइक चला रहे भोपा-मगरी निवासी देवीलाल वसीटा (46) और उनकी बेटी देवासी वसीटा (11) ट्रेलर के नीचे आने से बुरी तरह कुचल गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठी कला वसीटा (43) उछलकर दूसरी तरफ गिरने से घायल हुईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें एम्बुलेंस से एमबी हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के तुरंत बाद ट्रेलर ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया। डबोक थाना पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी भिजवाया गया। हाईवे पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति भी बनी। आसपास के होटल संचालकों और राहगीरों ने घायल महिला की मदद की और ट्रैफिक सुचारू कराने में सहयोग दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वसुंधरा राजे ने गढ़ी विधानसभा में दिवंगत विधायक कैलाश मीणा के पुत्र अभिषेक मीणा के घर पहुंचकर जताया शोक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गढ़ी विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने दिवंगत विधायक कैलाश मीणा के पुत्र को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदनाएं व्यक्त की। पूर्व मुख्यमंत्री राजे सुबह उदयपुर से सड़क मार्ग से चंदनपुरा बोरी स्थित विधायक मीणा के निवास पहुंचीं। रास्ते में कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। राजे ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार को इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की अपील की। इस मौके पर जिले के वर्तमान और पूर्व भाजपा जिलाध्यक्षों के साथ कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी, स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। सभी ने विधायक मीणा के पुत्र को पुष्पांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति जताई। वसुंधरा राजे ने इस अवसर पर परिवार को ढांढस बंधाया और उन्हें एकजुट रहने का संदेश दिया।

विश्व शांति महायज्ञ के साथ ही पांच दिवसीय समवसरण विधान का भव्य समापन

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, कस्बे के महावीर कॉलोनी जिनालय में प्रवासरत आचार्य सुनील सागर की सुयोग्य शिष्या आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी ससंघ के सानिध्य में चल रहे पांच दिवसीय समवसरण विधान के पांचवें और अंतिम दिन नित्य नियम पूजन के बाद विधान की बड़ी जयमाला के पश्चात् 31 हवन कुण्ड में विश्व शांति महायज्ञ के निमित्त पूर्णाहुति अर्पित की गई। विधानाचार्य गजेन्द्र पटवा ने बताया कि सुबह भगवान का अभिषेक, शांति धारा की गई। शांति धारा का लाभ दिनेश मैना जैन परिवार ने तथा पंचामृत अभिषेक का लाभ देवेंद्र हेतल शाह परिवार ने प्राप्त किया। विधान के सौधर्म इंद्र महेंद्र कुमार शोभना परिवार, कुबेर इंद्र रोशन लाल लक्ष्मी नागदा, ईशान इंद्र राजेश रीना शाह, महायज्ञ नायक राकेश कुमार संगीता फडिया, ध्वजारोहण कर्ता रंजन कुमार सुभद्रा जैन, चक्रवर्ती इन्द्र राकेश शर्मिला शाह परिवार, प्रति इंद्र तथा अन्य श्रावक श्राविकाओं द्वारा हवन में पूर्णाहुति से पहले वादक की साज आवाज की धुन के साथ नाचते गाते आचार्य सुनीलसागर एवं विदुषी आर्यिका सुप्रज्ञमती को अर्घ्य समर्पित किए गए। पांच दिन चले इस भव्य एवं अलौकिक विधान में आर्यिका के मंगल आशीर्वाद से महावीर कॉलोनी में धर्म की गंगा बही।

विदुषी आर्यिका माताजी के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट के बाद माता जी का मंगल प्रवचन हुआ। आर्यिका के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का लाभ बाबु लाल फ़ड़िया परिवार बावलवाड़ा ने प्राप्त किया।

राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय में वर्मीकंपोस्ट यूनिट का शुभारंभ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय उदयपुर में आज वर्मीकंपोस्ट निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत वर्मीकंपोस्ट यूनिट का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, डॉ. नदीम चिश्ती, संकाय सदस्यों के साथ शोधार्थी राकेश बारूपाल और महिपाल दिवराया उपस्थित रहे। महाविद्यालय की सभी संकायों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. चिश्ती ने बताया कि यूनिट में ऑस्ट्रेलियन तकनीक का उपयोग कर वर्मीकंपोस्ट तैयार किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य केमिकल खाद और पेस्टिसाइड के प्रयोग को कम करना है, ताकि छात्राएं प्राकृतिक खाद निर्माण की तकनीक सीखकर कम लागत में स्वरोजगार शुरू कर सकें। इससे छात्र आत्मनिर्भर भी बनेंगी और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देंगी। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से महाविद्यालय परिसर को पूरी तरह केमिकल और पेस्टिसाइड मुक्त बनाया जा सकेगा। एक चक्र में लगभग 1200 किलोग्राम वर्मीकंपोस्ट तैयार होगा, जिसे महाविद्यालय की छात्राओं और स्टाफ को निःशुल्क वितरित किया जाएगा। महाविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह पहल न केवल जैविक खेती को बढ़ावा देगी, बल्कि छात्राओं में उद्यमिता के नए अवसर भी पैदा करेगी।

ऑल इंडिया सर्विस के रिटायर्ड ऑफिसर्स की द्विमासिक बैठक सम्पन्न

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. ऑल इंडिया सर्विस के रिटायर्ड ऑफिसर्स (उदयपुर बेस्ड) की द्विमासिक बैठक शनिवार को फील्ड क्लब में सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत कन्वीनर श्री मुनीश गोयल ने सभी सदस्यों का स्वागत और पिछली बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत कर की। इस अवसर पर आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई और समूह की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने हेतु सुझाव मांगे गए। बैठक में नवनियुक्त सदस्यों श्रीमती एवं श्री आर.के. जैन (IFS) का भी स्वागत किया गया। बैठक में विभिन्न विषयों पर सदस्य अपने अनुभव साझा करते हुए सारगर्भित चर्चा में शामिल हुए। वरिष्ठ अधिकारियों की सलाह और सुझावों से समूह की भावी दिशा को मजबूती मिली। इस अवसर पर श्री एन.सी. जैन, श्रीमती नमिता प्रियदर्शी, श्री हरीश शर्मा, श्री सोमनाथ मिश्रा, श्री अशोक भंडारी, श्री सुमित लाल बोहरा, श्री आर.के. सिंह, श्री आर.के. जैन, श्री राहुल भटनागर, श्री जितेन्द्र उपाध्याय और श्री ओ.पी. शर्मा उपस्थित रहे। बैठक का समापन श्री राहुल भटनागर ने सभी का आभार व्यक्त कर किया।

जयपुर में ट्रैफिक चालान के नाम पर वसूली का पर्दाफाश, कॉन्स्टेबल समेत तीन गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के नाम पर लोगों से अवैध वसूली का खुलासा हुआ है। बजाज नगर थाना पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक पुलिस के कॉन्स्टेबल भवानी सिंह, होमगार्ड जवान वकार अहमद और पंक्चर शॉप मालिक मोहम्मद मुस्ताक को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से ऑनलाइन पेमेंट स्कैनर भी जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल वसूली के लिए किया जा रहा था। SHO पूनम चौधरी ने बताया कि पुलिस कॉन्स्टेबल भवानी सिंह जयपुर ट्रैफिक ब्रांच में तैनात हैं। वकार अहमद होमगार्ड के जवान हैं, जबकि मोहम्मद मुस्ताक त्रिवेणी चौराहा के पास पंक्चर की शॉप चलाते हैं। जांच में पता चला कि भवानी सिंह और वकार अहमद नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को पकड़ते और चालान के डर दिखाकर उनसे वसूली करते थे। वसूली का तरीका बेहद योजनाबद्ध था। नियम उल्लंघन के नाम पर पकड़कर वाहन चालकों को पंक्चर शॉप पर भेजा जाता, जहां ऑनलाइन पेमेंट स्कैनर से तय रकम सीधे पुलिस कॉन्स्टेबल के खाते में जमा कराई जाती। इसके बाद चालकों को बिना किसी कानूनी दस्तावेज के छोड़ दिया जाता। पुलिस ने मोहम्मद मुस्ताक की शॉप और भवानी सिंह के बैंक अकाउंट से जुड़े स्कैनर जब्त कर लिए हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और इस मामले में और भी तथ्य सामने आने की संभावना है। इस खुलासे ने ट्रैफिक पुलिस की छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं, और प्रशासन ने चेतावनी दी है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

नागौर में एटीएम पर बड़ी वारदातः गैस कटर से मशीन काटकर 12 लाख लूटे, DVR ले गए, जाते-जाते आग भी लगा दी

24 न्यूज अपडेट

नागौर। जिले के पैशोड़ी क्षेत्र के भेड़ गांव में शुक्रवार की देर रात बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से SBI के एटीएम को निशाना बनाते हुए 12 लाख रुपए लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी न केवल मशीन को जलाकर नष्ट कर गए, बल्कि DVR भी साथ ले गए, ताकि किसी तरह का डिजिटल सबूत पुलिस के हाथ न लग सके।

ताले तोड़े, गैस कटर से मशीन चीर डाली

एएसपी आशाराम ने बताया कि एटीएम शटर के ताले तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। वहां उन्होंने गैस कटर की मदद से पूरी मशीन को काटा और कैश ट्रे से 12 लाख रुपए निकालकर फरार हो गए। इसके बाद मशीन को आग लगा दी, जिससे उसका बाहरी हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सुबह 9 बजे खुला राज, लोगों ने पुलिस को दी सूचना शुक्रवार रात करीब 2 बजे वारदात हुई, लेकिन भोर में आसपास के बाजार बंद होने के कारण किसी को भनक नहीं लगी। सुबह जब 9 बजे दुकानदार बाजार खोलने पहुंचे, तो जली एटीएम मशीन और टूटा ताला देखकर हैरान रह गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

गार्ड रात 11 बजे चला गया था - इसी का फायदा उठाया

एटीएम के बाहर दिन में गार्ड तैनात रहता है। शुक्रवार को भी गार्ड पूरे दिन मौजूद रहा, पर रात 11 बजे रोज की तरह ताला लगाकर घर चला गया। पुलिस का मानना है कि बदमाशों ने इसी खाली समय का फायदा उठाकर प्लान के अनुसार पूरी वारदात को अंजाम दिया।

तकनीकी टीमें जुटीं, CCTV की तलाश जारी

चूंकि DVR बदमाश साथ ले गए, इसलिए पुलिस अब आसपास की दुकानों और गलियों में लगे बाहरी कैमरों के फुटेज की जांच कर रही है। तकनीकी टीमों को मौके पर बुलाया गया है और इलाके में नाकाबंदी कर सुराग जुटाने की कोशिश की जा रही है।

डूंगरपुर–बांसवाड़ा–प्रतापगढ़ के 63 टीएसपी कॉन्स्टेबल्स को आदिवासी जिलों में भेजने का आदेश

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, उदयपुर और अन्य आदिवासी क्षेत्रों से चयनित 63 टीएसपी कॉन्स्टेबल्स के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार व पुलिस विभाग को निर्देश दिए हैं कि इन सभी को ट्राइबल इलाकों में ही तैनात किया जाए। कोर्ट ने अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में कहा कि "कॉन्स्टेबल मिनरल प्रोटेक्शन फोर्स" के नाम पर भर्ती निकालकर चयन तो आदिवासी व खनन क्षेत्रों के लिए किया गया, लेकिन इन युवाओं को जयपुर में 14वीं बटालियन RAC में वर्षों तक अटका देना वैध अपेक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ है।

बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर और प्रतापगढ़ के इन सभी कॉन्स्टेबल्स ने 2019 में याचिका लगाई थी। इनका कहना था कि वर्ष 2013 की भर्ती में 1000 पदों में से 80 पद विशेष रूप से टीएसपी क्षेत्र के लिए आरक्षित थे और वे उसी श्रेणी में चयनित हुए थे। बावजूद इसके, उन्हें नॉन-टीएसपी कैडर में नियुक्त कर दिया गया और आठ वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उन्हें अपने ट्राइबल क्षेत्र में पोस्टिंग नहीं मिली। याचिकाकर्ताओं ने यह भी बताया कि वे स्वयं स्थायी रूप से आदिवासी जिलों के निवासी हैं और 2014 व 2018 के सर्कुलर स्पष्ट करते हैं कि टीएसपी कर्मचारी चाहें तो अपने गृह क्षेत्र में तैनाती का विकल्प दे सकते हैं। उन्होंने समय रहते आवेदन भी दिए, लेकिन आज तक कोई निर्णय नहीं लिया गया, जबकि समान परिस्थिति वाले कई कर्मचारियों को लाभ मिल चुका है।

सरकार की ओर से दलील दी गई कि उस समय की रिक्तियों और प्रशासनिक आवश्यकता को देखते हुए इन नियुक्तियों को नॉन-टीएसपी क्षेत्रों में किया गया और सर्कुलरों का अर्थ यह नहीं है कि कर्मचारियों का स्वचालित रूप से स्थानांतरण का अधिकार बनता है। हालांकि, कोर्ट ने रिकॉर्ड का अवलोकन करते हुए माना कि विज्ञापन में स्पष्ट रूप से मिनरल और ट्राइबल बेल्ट का उल्लेख किया गया था, जिससे उम्मीदवारों के मन में यह वैध अपेक्षा बनती है कि उनकी तैनाती भी उन्हीं क्षेत्रों में होगी। न्यायालय ने यह टिप्पणी भी की कि याचिकाकर्ता कमजोर और वंचित आदिवासी समुदायों से आते हैं और राज्य को उनके प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए थी।

जस्टिस फर्जंद अली ने कहा कि भर्ती का मूल उद्देश्य ही ट्राइबल क्षेत्रों में सुरक्षा व खनन क्षेत्रों की निगरानी के लिए स्थानीय युवाओं को अवसर देना था, इसलिए उन्हें जयपुर में दफ्तरों की सुरक्षा ड्यूटी पर वर्षों तक लगाकर रखना अनुचित है। अदालत ने सभी 63 कॉन्स्टेबल्स को आदिवासी बेल्ट में भेजने का रास्ता साफ करते हुए निर्देश दिया कि उन्हें प्रतापगढ़ स्थित महाराणा प्रताप बटालियन में शिफ्ट करने पर विचार किया जाए या आवश्यकता अनुसार टीएसपी क्षेत्र के किसी भी जिले—डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, उदयपुर या सलूंबर—में समायोजित किया जाए। कोर्ट ने कहा कि यह न केवल सरकारी सर्कुलरों की मंशा के अनुरूप है, बल्कि इन ट्राइबल युवाओं की वैध अपेक्षा और उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि का भी सम्मान करता है।

सीएम के दौरे के बाद डूंगरपुर डीएसओ मणि खींची एपीओ, जयपुर मुख्यालय भेजा

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिला रसद अधिकारी (डीएसओ) मणि खींची को खाद्य विभाग ने तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया है। उन्हें पदस्थापन आदेश जारी होने तक खाद्य विभाग के जयपुर मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए गए हैं। उनके स्थान पर बांसवाड़ा के जिला रसद अधिकारी ओमप्रकाश जोतड़ को डूंगरपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। खाद्य विभाग की ओर से जारी आदेश पर अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पूनम प्रसाद सागर के हस्ताक्षर हैं। आदेश में कार्रवाई का कारण केवल 'प्रशासनिक कारण' बताया गया है।

मुख्यमंत्री के दौरे के बाद आई कार्रवाई की सुगबुगाहट

विभागीय सूत्रों के अनुसार, जनजाति गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री के हाल ही में हुए डूंगरपुर दौरे के दौरान किसी शिकायत के आधार पर यह कदम उठाया गया है। हालांकि आधिकारिक आदेश में इस शिकायत का कोई उल्लेख नहीं है। बांसवाड़ा के डीएसओ ओमप्रकाश जोतड़ अब अगले आदेशों तक डूंगरपुर जिले के सभी रसद एवं खाद्य सामग्री से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे दोनों जिलों का संचालन फिलहाल एक ही अधिकारी के अधीन रहेगा।

देवगढ़ः काछबली पंचायत के देवचौड़ा गांव में भालू का हमला, ग्रामीण गंभीर घायल

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। देवगढ़ थाना क्षेत्र के काछबली ग्राम पंचायत के देवचौड़ा गांव में शुक्रवार देर शाम भालू के हमले से एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। कूप सिंह पुत्र राजू सिंह रावत पर उस समय हमला हुआ जब वह मुख्य सड़क से होकर अपने घर लौट रहे थे। अचानक झाड़ियों की ओर से आए भालू ने उन पर जोरदार हमला कर दिया, जिससे वे बुरी तरह लहूलुहान हो गए। कूप सिंह की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और भालू को खदेड़कर किसी तरह उन्हें बचाया। घायल को तुरंत देवगढ़ उप जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल राजसमंद रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भी अस्पताल पहुंची। विभागीय कर्मचारियों ने घायल ग्रामीण से घटना की जानकारी ली और आसपास के लोगों से हमले के हालात के बारे में पूछताछ की। भालू के इस हमले से देवचौड़ा गांव और उसके आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ी है और वन विभाग को सुरक्षा इंतजाम और गश्त बढ़ानी चाहिए ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके।

राजस्थान पुलिस की चेतावनीः आयकर रिफंड के नाम पर बड़ा साइबर जाल

24न्यूज अपडेट

जयपुर। उदयपुर। इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर बड़ा साइबर जाल फैलाया जा रहा है। पुलिस ने आमजन को चेताया है कि साइबर अपराधी इन दिनों SMS और ईमेल के जरिए फर्जी इनकम टैक्स रिफंड का झांसा देकर लोगों से संवेदनशील वित्तीय जानकारी हड़प रहे हैं। एडीजी साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह ने बताया कि ये ठग खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बताते हैं और यह दावा करते हैं कि पीड़ित बड़ी रिफंड राशि के हकदार हैं। इस बहाने वे बैंक खाते का विवरण, क्रेडिट/डेबिट कार्ड नंबर, सीवीवी और ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं। कई मामलों में वे फर्जी फिशिंग लिंक भी भेजते हैं, जिन पर क्लिक करते ही जानकारी सीधे उनके पास पहुँच जाती है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आयकर विभाग कभी भी रिफंड के लिए ऐसी जानकारी नहीं मांगता क्योंकि ये विवरण पहले ही ITR में दर्ज होते हैं।

एडवाइजरी में बताया गया है कि खुद को सुरक्षित रखने के लिए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। आयकर विभाग कभी भी OTP, पासवर्ड या CVV नहीं मांगता, इसलिए किसी भी संदिग्ध संदेश या ईमेल में दिए गए रिफंड लिंक पर क्लिक न करें। अपने रिफंड की सही स्थिति जानने के लिए हमेशा आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर ही लॉगिन करें। यदि कोई आपको तुरंत कार्रवाई करने का दबाव बनाए या डराने की कोशिश करे, तो यह स्पष्ट संकेत है कि मामला संदिग्ध है। ऐसे नंबरों या संदेशों की जानकारी संचार साथी के चक्षु पोर्टल पर दर्ज करें। पुलिस ने विशेष रूप से चेताया है कि आधार, पैन या बैंक विवरण किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के साथ साझा न करें। पुलिस ने आगे कहा कि यदि किसी को संदिग्ध संदेश मिले या वे किसी साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाएं, तो तुरंत इसकी सूचना दें। शिकायत दर्ज कराने के लिए साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें, राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल CYBERCRIME.GOV.IN पर शिकायत दर्ज करें या फिर साइबर शाखा के हेल्पडेस्क नंबर 9256001930 और 9257510100 पर संपर्क करें। पुलिस का कहना है कि समय पर की गई शिकायत से राशि वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है और अपराधियों पर कार्रवाई भी तेज होती है।

गाउन पहनकर घर में घुसा बदमाश, 58 वर्षीय महिला से 7 मिनट जद्दोजहद, संडासी से सिर फोड़ा, फिर भी नहीं झुकी

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के पुराने बापू नगर में गुरुवार देर रात एक ऐसी वारदात हुई जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। किराना व फ्रूट व्यवसायी दिलीप रावानी के घर में लूट की नीयत से घुसे बदमाश ने महिला को असहाय समझकर हमला किया, लेकिन 58 वर्षीय रेखा रावानी ने उस पर ऐसी हिम्मत दिखाई कि वारदात अंजाम न देकर वह भाग खड़ा हुआ। गाउन और नकाब में घर में दाखिल हुआ बदमाश - पहचान छिपाने का अनोखा प्रयास करीब रात 1 बजे, पड़ोसी के घर के सीसीटीवी में लाल रंग के गाउन और नकाब पहने एक व्यक्ति को रावानी परिवार के घर की ओर जाते देखा गया। यह फुटेज शुक्रवार सुबह सामने आने के बाद पुलिस की जांच का अहम आधार बन गया है। उस समय घर में अकेली रेखा रावानी सो रही थीं। तभी गाउन पहने बदमाश चुपचाप उनके कमरे में पहुंचा और सोते हुए उनका गला दबाने की कोशिश की। लेकिन रेखा ने मौके की नजाकत समझते हुए पूरी ताकत से उसका विरोध किया।

5 से 7 मिनट तक मचा संघर्ष - हमलावर किचन से संडासी लेकर लौटा

महिला के प्रतिरोध से हैरान बदमाश बौखला गया। छीना-झपटी के बीच वह किचन में दौड़ गया और वहां से लोहे की संडासी उठा लाया। उसने रेखा के सिर पर दो बार वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गईं। इसके बावजूद रेखा लगातार जान की भीख मांगते हुए उससे संघर्ष करती रहीं। इसी दौरान आरोपी ने अलमारी का लॉकर तोड़ने की कोशिश भी की, पर महिला के शोर मचाने पर उसका हौसला टूट गया और वह आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

1:19 पर गाउन पहने भागता दिखा -पड़ोसियों ने दी मदद

दूसरे सीसीटीवी फुटेज में 1:19 बजे वही गाउन और नकाब पहने बदमाश घर से बाहर निकलता दिखता है। उसके जाते ही रेखा ने चीखना शुरू किया। उनकी आवाज सुनकर पड़ोसी तुरंत घर पहुंचे। वहीं, कुछ लोग शादी समारोह में गए परिवार को सूचना देने दौड़े। परिजन तुरंत लौटे और गंभीर घायल रेखा को महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत अब खतरे से बाहर है, लेकिन सिर पर गहरी चोटें आई हैं।

पुलिस जांच तेज -हमलावर की पहचान पर फोकस

थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि वारदात सुनियोजित लग रही है और आरोपी ने पहचान छिपाने के लिए गाउन व नकाब का सहारा लिया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण कर रही है और हमलावर के भागने के संभावित रास्तों की जांच भी तेज कर दी है।

बीएलओ पर जानलेवा हमला और लूटः 17 दिन से फरार आरोपी संजय गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। दानपुर थाना क्षेत्र में बीएलओ पर हुए जानलेवा हमले और लूट के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी संजय पिता शंभु मईडा (32) को गिरफ्तार कर लिया है। घटनास्थल से लेकर संभावित ठिकानों तक लगातार दबिश देने के बाद थानाधिकारी जीवतराम के नेतृत्व में गठित टीम ने संजय को भाणपुर घोड़ी तेजपुर से पकड़ा। पीड़ित मानसिंह मईडा, जो कुण्डल में एलडीसी तथा वर्तमान में बीएलओ के रूप में कार्यरत हैं, ने 18 नवंबर को रिपोर्ट दी थी कि 17 नवंबर को शाम 5:30 बजे जब वह कार से बांसवाड़ा जा रहे थे, तभी घोड़ी तेजपुर नदी पुलिया पर संजय ने उन्हें रोक लिया। संजय शराब पीने के लिए 1000 रुपए मांग रहा था और खुद को "यहां का रावत" बताते हुए गाली-गलौच करने लगा। पैसे देने से इनकार करने पर संजय ने हाथ में पकड़ी लोहे की टामी (व्हील पाना रॉड) से मानसिंह पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। सिर, पेट और कमर पर गंभीर चोटें आईं। इसी दौरान आरोपी पीड़ित की शर्ट की जेब से 700 रुपए निकालकर भाग गया।

मेडिकल, सीटी स्कैन रिपोर्ट में भी चोटों की पुष्टि शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मौके का मुआयना किया, पीड़ित के बयान दर्ज किए और चोटों की पुष्टि के लिए मेडिकल व सीटी स्कैन कराया। घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड भी बरामद कर ली गई है। उस समय क्षेत्र में मतदाता गणना (SIR) का कार्य चल रहा था, जिसके दौरान बीएलओ पर हुए हमले को पुलिस ने अत्यंत गंभीर माना और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया। संजय को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

डॉक्टर हो तो ऐसा!! जार-जार रोए लोग, भाजपा नेताओं के प्रति बड़गांव में गहरा आक्रोष

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बरसों बाद आज उदयपुर में ऐसा दृश्य देखने को मिला जो दुर्लभ था। डाक्टर साहब के लिए लोग जार जार रोए। नेताओं को जमकर कोसा और उन्हें भ्रष्टाचारी, मतलबी और ईगो वाला बता दिया। भाजपा नेताओं के लिए लोगों ने साफ कह दिया कि ये सब नहीं चलेगा। राजनीति के चक्कर में वे एक मेहनतरी, जज्बे वाले ईमानदार व कर्मठ डाक्टर को नहीं खोना चाहते। विरोध के स्वर इतने तीखे थे कि कान में सीसा डाल कर बैठे भ्रष्ट नेता भी हिल तो जरूर गए होंगे। देखना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में क्या कार्रवाई होती है। बड़गांव सैटेलाइट हॉस्पिटल में प्रभारी चिकित्सक डॉ. अशोक शर्मा को अचानक एपीओ किए जाने के बाद शनिवार को क्षेत्र में तीखा विरोध भड़क उठा। सुबह से ही ग्रामीण बड़ी संख्या में अस्पताल परिसर के बाहर जुटने लगे और देखते ही देखते विरोध एक जन-आंदोलन का रूप ले गया। भीड़ में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के साथ स्कूली बच्चों की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा। बच्चे हाथों में "Support Dr. Ashok Sharma" लिखी तख्तियां लिए खड़े थे। ग्रामीणों का कहना था कि डॉ. शर्मा के खिलाफ की गई कार्रवाई राजनीतिक खींचतान का नतीजा है, न कि किसी वास्तविक लापरवाही का। प्रदर्शनकारियों ने एपीओ आदेश को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि डॉक्टर का रिकॉर्ड देखें—"अगर वे दोषी हैं, तो प्रमाण सार्वजनिक किया जाए। बिना जांच और बिना कारण बताए ऐसे निर्णय स्वीकार नहीं।" ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि आदेश निरस्त होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन की तस्वीरें भी बनी चर्चा का विषय, एपीओ के विरोध में ग्रामीणों की भीड़ ने अस्पताल के बाहर मोर्चा संभाला। स्कूली बच्चों ने डॉक्टर के समर्थन में तख्तियां उठाईं। एक बच्ची ने हाथ से लिखे पोस्टर में डॉ. शर्मा को वापस नियुक्त करने की मांग की।

डॉक्टर ने सोशल मीडिया पर फिर साधा निशाना—इधर, डॉ. अशोक शर्मा ने भी शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक और वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में उन्होंने स्थानीय नेताओं और अफसरों के रवैये पर तीखी टिप्पणी की है। बीजेपी पदाधिकारियों की शिकायत से जोड़कर देखा जा रहा मामला घटना की पृष्ठभूमि भी कम दिलचस्प नहीं है। चार दिन पहले बीजेपी के स्थानीय पदाधिकारियों ने सीएम से मुलाकात कर डॉ. शर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके दो दिन बाद ही एपीओ का आदेश जारी हो गया।

ऐसे में ग्रामीणों का विरोध और आरोप-दोनों इस कार्रवाई को राजनीतिक रंग दे रहे हैं। डॉ. शर्मा इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय हैं। उनके 3 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं और वे अक्सर मरीजों के उपचार से जुड़ी रील्स पोस्ट करते रहे हैं। कई बार ड्यूटी के दौरान शूट की गई रील्स को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं, जिस कारण विभागीय दबाव या नाराजगी को भी कार्रवाई की वजह माना जा रहा है।

विभाग का पक्षः "समय पर ड्यूटी नहीं, लापरवाही लगातार" CMHO डॉ. अशोक आदित्य ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई किसी दबाव में नहीं, बल्कि शिकायतों के आधार पर हुई है। उन्होंने बताया कि डॉ. शर्मा के समय पर हॉस्पिटल नहीं पहुंचने और ड्यूटी के प्रति उदासीनता की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसलिए प्रशासन ने उन्हें एपीओ करने का निर्णय लिया।

"समय का सदुपयोग ही सुखी जीवन की कुंजी": आचार्य महाश्रमण ने नाथद्वारा में दी अमृतदेशना

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/नाथद्वारा, 29 नवम्बरः तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपनी धवल वाहिनी के साथ मेवाड़ में अहिंसा, नैतिकता और सद्भावना का संदेश फैलाते हुए विहार यात्रा पर हैं। 29 नवम्बर को प्रातः ओडन से विहार करके आचार्य महाश्रमण नाथद्वारा पहुंचे, जहां स्थानीय श्रद्धालुओं और गणमान्य व्यक्तियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर धर्मसभा में आचार्य महाश्रमण ने उपस्थित जन समुदाय को समय प्रबंधन के महत्व पर जोर देते हुए फरमाया कि "एक बार बीता समय पुनः वापस नहीं आता। रोज़ के 24 घंटे का सही प्रबंधन करके ही व्यक्ति धर्म और सद्गुण के लिए समय निकाल सकता है। समय का सदुपयोग ही सुखी जीवन की कुंजी है।" सभा में मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सी.पी. जोशी ने आचार्य महाश्रमण का स्वागत करते हुए उनके संदेशों को जीवन में अपनाने का आव्हान किया। स्वागत अभिनंदन तेरापंथी सभा नाथद्वारा अध्यक्ष विश्वजीत कर्णावट और मंत्री चंद्र सिंह कोठारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजस्थान वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने भी आचार्य महाश्रमण के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और सामाजिक-आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की। साथ ही, राजकुमार फत्तावत, किशनलाल डागलिया, प्रमोद सामर सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आचार्य महाश्रमण का अभिनंदन किया। सभा में नाथद्वारा ज्ञानशाला के बच्चों और तेरापंथ महिला मंडल की बहिनों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जबकि साधना मेहता, मंजू सामोता और सुधा तलेसरा ने भावपूर्ण अभिव्यक्ति पेश की। अंत में उपस्थित जन समुदाय को मंगल पाठ का श्रवण करवाया गया। आचार्य महाश्रमण का विहार 30 नवम्बर को कांकरोली, 1 दिसंबर को राजनगर, और 2 दिसंबर को केलवा में होगा।

1 दिसंबर को होगा 'मेवाड़ हेरिटेज फेयर', 13 स्कूलों के बच्चे बनाएंगे 'छोटा मेवाड़'

INTACH UDAIPUR CHAPTER

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। इंटक (भारतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज) उदयपुर चैप्टर 1 दिसंबर को "इंटक मेवाड़ हेरिटेज फेयर 2025" का आयोजन रॉकवुड्स स्कूल में करेगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा। आयोजक कन्वीनर वैज्ञानिक वास्तु सलाहकार एवं इंटीरियर आर्किटेक्चर डिज़ाइनर गौरव सिंघवी हैं, जबकि कार्यक्रम के होस्ट एवं वेन्यू पार्टनर रॉकवुड्स स्कूल के डायरेक्टर डॉ. दीपक शर्मा हैं। फेयर का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों, नागरिकों और विभिन्न संस्थानों में मेवाड़ की सांस्कृतिक, प्राकृतिक एवं स्थापत्य विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मौके पर "विरासत संरक्षण के 40 वर्ष" पर आधारित विशेष प्रदर्शनी भी लगेगी, जिसमें इंटक के संरक्षण कार्य और पुरस्कृत फ़िल्मों की झलक प्रदर्शित होगी। कुल 13 विद्यालय भाग ले रहे हैं— अलॉक स्कूल, सेंट्रल एकेडमी, सेंट्रल पब्लिक स्कूल, इंडो अमेरिकन स्कूल, महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल, महाराणा मेवाड़ विद्या मंदिर, रॉकवुड्स हाई स्कूल, रॉकवुड्स इंटरनेशनल स्कूल, सीडलिंग मॉडर्न पब्लिक स्कूल, द स्कॉलर्स' एरीना (स्वामी नगर एवं आरके पुरम), द विज़न एकेडमी और विवेकानंद केंद्रीय विद्यालय, ऋषभदेव। फेयर में छात्र मॉडल इंस्टॉलेशन, प्राकृतिक विरासत थीम, कला प्रदर्शनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से 'छोटा मेवाड़' तैयार करेंगे। कन्वीनर गौरव सिंघवी ने कहा कि मॉडल मेकिंग से बच्चों ने मेवाड़ की शैली, इतिहास और प्रकृति को गहराई से समझा है। डायरेक्टर डॉ. दीपक शर्मा ने कहा कि इतने विद्यालयों का एक साथ आकर मेवाड़ की विरासत का उत्सव मनाना गर्व की बात है और यह विद्यार्थियों में मेवाड़ी गौरव की भावना जगाएगा।

तीन दिवसीय मंदिर शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव कीर्ति स्तंभ के धार्मिक आयोजन के साथ सम्पन्न

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर के आसपुर मार्ग मावित-सितरवाड़ा स्थित सोमपुरा समाज के आराध्य देवी मां महिषासुर मर्दिनी माता मंदिर के तीन दिवसीय शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव का आज अंतिम दिन कीर्ति स्तंभ व धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सम्पन्न हुआ। बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। आचार्य संजय पाठक व विप्र मंडल के मंत्रोच्चार के साथ विभिन्न यजमान परिवारों द्वारा जलाधिवास, अन्नाधिवास, महास्नान, नवकुंडात्मक शतचंडी यज्ञ व आहुति कार्यक्रम हुए। महाप्रसाद के यजमान लोकेश / कन्हैयालालजी, माताजी श्रृंगार के यजमान लालशंकर/ शिवशंकर तथा जल व्यवस्था के यजमान धीरेंद्र/भारतनंदन रहे। शोभायात्रा के मांडवी चौक पहुंचने पर विधायक शंकरलाल डेचा ने बालिकाओं के शौर्य प्रदर्शन की सराहना की।

महोत्सव में विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक संगठनों तथा संत मंडली—मेड़ता पीठाधीश्वर रामकिशोर जी महाराज—की उपस्थिति रही।

अन्तर्राज्यीय नकबजनी गैंग का पर्दाफाशः सविना थाना पुलिस ने दो शातिर

गिरफ्तार, दिल्ली–उत्तरप्रदेश तक पीछा कर पकड़े आरोपी, कई राज्यों में वारदातें कबूल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। थाना सविना पुलिस ने नकबजनी की बढ़ती वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अन्तर्राज्यीय नकबजन गैंग के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उदयपुर से लेकर सलूम्बर, बांसवाड़ा, रतलाम, गुना, ग्वालियर होते हुए दिल्ली तक करीब दस दिन तक पीछा कर दोनों आरोपियों को दबोचा। 4 नवम्बर 2025 को प्रार्थी दीपक जैन, निवासी गोविंद नगर सेक्टर 13 ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके मकान से सोने के जेवरात व नकदी चोरी कर ली गई। इस रिपोर्ट पर प्रकरण संख्या 429/2025 धारा 331(3), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता में दर्ज कर जांच शुरू की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने संपत्ति संबंधी अपराधों के खुलासे के लिए विशेष निर्देश जारी किए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा और नगर पूर्व वृत्त सीओ छगन पुरोहित के सुपरविजन में थाना प्रभारी अजय सिंह राव के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और आसूचना के आधार पर संदिग्ध वाहन की पहचान की। फुटेज का पीछा करते हुए टीम दिल्ली पहुंची और लगातार निगरानी कर आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा।

दिल्ली से पकड़े गए दो आरोपी पुलिस ने 28 नवम्बर 2025 को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया—फैजान, निवासी मुरादाबाद (उ.प्र.), हाल निवासी कोटला विलेज, मयूर विहार, दिल्ली राहुल वाल्मिकी, निवासी मिनी मार्केट झुग्गी, दिल्ली, हाल निवासी त्रिलोकपुरी, दिल्ली पुछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे अपने साथी अमित उर्फ अमित बिहारी और लल्ला गुप्ता के साथ उदयपुर सहित कई शहरों में नकबजनी की वारदातें करते थे। दोनों साथी फिलहाल फरार हैं। गैंग दिल्ली से कार में निकलकर विभिन्न शहरों में पहुंचती थी। सूने मकानों की रेकी कार की नंबर प्लेट बदलना ताला तोड़ने के लिए अपने साथ औजार रखना। वारदात के तुरंत बाद नंबर प्लेट दोबारा बदलना। घटना के बाद अपने-अपने ठिकानों पर लौट जाना। लोगों के बीच खुद को बड़ा व्यापारी बताकर पहचान बनाना।

कबूली गई वारदातें गिरफ्तार आरोपियों ने निम्न घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया— गोविन्द नगर सेक्टर 13, उदयपुर – दो बार नकबजनी कौशल्या अपार्टमेंट, आदित्य विहार, चित्रकूट नगर, जयपुर – दो चोरी मानसरोवर, नारायण विहार, जयपुर – एक वारदात। उनके खिलाफ दिल्ली-एनसीआर सहित कई स्थानों पर भी गंभीर प्रकरण दर्ज हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपी पुलिस रिमांड में हैं। उनसे पूछताछ कर पूरे गैंग, अपराध की अवधि और अन्य वारदातों की जानकारी जुटाई जा रही है।

टीम में शामिल रहे—थाना सविना – अजय सिंह राव (थानाधिकारी), लादू जाट (उपनिरीक्षक), कृष्ण प्रताप सिंह (हैड कांस्टेबल), मांगीलाल, छगनलाल, राजेश कुमार, मेहताब सिंह, साईबर सेल के लोकेश कुमार स्पेशल ब्रांच, दिल्ली – जितेन्द्र मलिक, हिमांशु, विनीत, शैलेन्द्र, मनिंदर, पुरुषोत्तम

इस्कॉन मंदिर पाटोत्सव में तीन दिवसीय श्री ब्रह्मोत्सवम्

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के गंगू-कुंड स्थित मंदिर में चतुर्थ पाटोत्सव इस वर्ष तीन दिवसीय श्री ब्रह्मोत्सवम् के रूप में मनाया जा रहा है। इस्कॉन अध्यक्ष मायापुर वासी दास ने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी को चार वर्ष पूर्व गीता जयंती के दिन मंदिर में प्रतिष्ठित किया गया था। इसी उपलक्ष्य में 29, 30 नवम्बर तथा 1 दिसम्बर को विशेष उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उत्सव के प्रथम दिवस शनिवार को सायंकाल 5 से 7 बजे तक फतेहसागर की पाल पर हरिनाम संकीर्तन के साथ गीता वितरण किया गया। आज, 30 नवम्बर (रविवार) को प्रातः 8 बजे से वृन्दावन के गोपेन्द्र कृष्ण स्वामी महाराज के प्रवचन होंगे। पाटोत्सव पर परंपरानुसार जगन्नाथ जी को पूरी धाम की तरह 'पोडपीठा'—विशेष प्रकार के केक—का भोग लगाया जाएगा। भक्तों द्वारा बनाए गए 108 सात्त्विक केक भगवान को समर्पित होंगे। 1 दिसम्बर को प्रातःकाल स्वामी महाराज के सान्निध्य में मंदिर में सस्वर अखंड संपूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता पाठ होगा। सायंकाल भगवान जगन्नाथ एवं गौर-निताई प्रभु का महाअभिषेक कर छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। उत्सव के दोनों दिनों में सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है।

ऑपरेशन सुदर्शनः लंबे समय से फरार 5 स्थायी वारंटी गिरफ्तार, 6 वारंटों का निस्तारण

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सुदर्शन के तहत गठित टीम ने 5 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किए और 6 वारंटों का निस्तारण किया। थाना प्रभारी मदनलाल खटीक ने बताया कि एसपी निश कुमार के निर्देश पर एएसपी अशोक मीणा और डीएसपी रूप सिंह के सुपरविजन में टीम—एएसआई सुरेश कुमार भोई, हेड कांस्टेबल लोकेन्द्र सिंह, वालचंद, प्रकाशचंद्र, कांस्टेबल राजेंद्र, प्रहलाद सिंह, योगेंद्र व धनश्याम सिंह—ने कार्रवाई की। 5 स्थायी वारंटी निम्नानुसार गिरफ्तार किए— मोहित पुत्र मोहनलाल पंचाल, निवासी डूंगरा बड़ा कला, बांसवाड़ा (चेक अनादरण) फारुख सिंह काली पुत्र मेहबूब सिंह, निवासी साबरकांठा, गुजरात (चेक अनादरण) रोशन पुत्र कालूजी बंजारा, निवासी डांग नयाखेड़ा, डबोक, उदयपुर (2 वारंट, गोवंश अधिनियम) आलम सिंह उर्फ धुलिया पुत्र मोबान सिंह, निवासी धार, मध्यप्रदेश (नकबजनी) कालू उर्फ मंगल्या पुत्र नान सिंह, निवासी धार, मध्यप्रदेश (नकबजनी)

संघर्ष चेतना यात्रा 30 नवम्बर को; कैलाश कुंवर महिला संयुक्त मंत्री मनोनीत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की संघर्ष चेतना यात्रा 30 नवम्बर को उदयपुर में आयोजित होगी। यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आरटीडीसी होटल कजरी में प्रदेश उपाध्यक्ष शेर सिंह चौहान की अध्यक्षता में बैठक हुई। चौहान ने बताया कि सभी घटक संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य सुबह 9 बजे बलिचा पुराना टोलनाका, दक्षिण विस्तार योजना में स्वागत एवं वाहन रैली के लिए एकत्र होंगे। रैली बाबूजी पैलेस होटल सभागार, सीए सर्किल पर 10:15 बजे पहुँचेगी। जिलाध्यक्ष हेमंत पालीवाल ने बताया कि राज्यभर की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 5 नवम्बर से शुरू हुई संघर्ष चेतना रथ यात्रा 41 जिलों व 300 ब्लॉकों में कर्मचारियों को जागरूक कर रही है। महामंत्री लच्छीराम गुर्जर ने कहा कि IFMS 3.0 लागू होने के बाद हैंडपंप मिस्त्री का वेतन प्रोसेस अटका है, जिसके समाधान हेतु जिला कलक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में कैलाश कुंवर को संयुक्त महासंघ की महिला संयुक्त मंत्री पद पर मनोनीत करने का प्रस्ताव पारित किया गया। आईटी प्रभारी जसवंत सिंह चौहान ने सभी जिलाध्यक्षों व संगठनों से अधिकाधिक संख्या में रैली व कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की। बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।